Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

पीलीभीत शहर के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर सामाजिक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन

[1]मुकुल कुमार ✉ [2]डॉ.चन्द्र प्रकाश यादव ✉

[1]शोध छात्र, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
[2]सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

Abstract

मानव सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ जीव होने के दंभ में जीता है।मानव सभ्यता के प्रारम्भ से ही वह अपनी असीमित जरूरतों को पूरी करने के लिए प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करता रहा है।मानव का यह लालच बढ़ता ही जा रहा है और तथाकथित विकास के नए आयामों को पाने के लिए वह नित्य प्रति प्रकृति,प्रकृतिक संसाधनों,अन्य जीव जातियों और स्वयं के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करने से पीछे नहीं हट रहा है।अनेक तरह के पर्यावरणीय प्रदूषण और अनेक पर्यावरणीय समस्याओं की जड़ मानव का असीमित और कभी न रुकने वाला लालच है। अनुसन्धानों से ज्ञात हुआ है कि पर्यावरण संबन्धित व्यवहार पर्यावरणीय अभिवृत्ति से प्रभावित होता है।पर्यावरणीय अभिवृत्ति अनेक कारको को प्रभावित करती है और स्वयं अनेक कारकों से भी प्रभावित होती है।प्रस्तुत शोधपत्र के द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया कि क्या पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर सामाजिक बुद्धि का प्रभाव पड़ता है।इस अध्ययन में डॉ. हसीन ताज के पर्यावरणीय अभिवृत्ति पैमाने और बिंदु जोसेफ और प्रेम प्रभा सिंह का सामाजिक बुद्धि स्केल प्रयोग किया गया।इस अध्ययन में पर्यावरणीय अभिवृत्ति और सामाजिक बुद्धि में मध्यम-उच्च सकारात्मक सहसंबंध पाया गया।लिंग एवं विषय संकाय के आधार पर पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति से बेहतर पायी गयी।

Keywords: युवा संस्कृति, सामाजिक परिवर्तन, भारतीय समाज, वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण, सोशल मीडिया, समाजशास्त्र, युवा विकास।

समस्या कथन

पीलीभीत शहर के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धि का उनकी पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर प्रभाव का अध्ययन

पारिभाषिक शब्द

पर्यावरणीय अभिवृत्ति

अभिवृत्ति शब्द अँग्रेजी भाषा के शब्द एट्टीट्यूड(attitude) का हिन्दी रूपान्तरण है जिसका शाब्दिक अर्थ है किसी वस्तु,घटना,मूल्य,नियम,परंपरा आदि के प्रति पसंद या नापसंद की अभिव्यक्ति और इसके अनुसार किए जाने वाले समाज को दृष्टिगत रखते हुए सकारात्मक या नकारात्मक व्यवहार करने की संभावना।प्रायः इसे मनोवृत्ति,रुझान,या दृष्टिकोण के नाम से भी जाना जाता है।

पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति ज़िम्मेदारी और सहभागिता से सीधे जुड़ी है।आम तौर पर यह देखा जाता है कि बेहतर पर्यावरणीय अभिवृत्ति वाले व्यक्ति अपनी ज़िम्मेदारी का अहसास करते हुए पर्यावरणीय समस्याओं के हल में अपना योगदान देने का प्रयास करते हैं।

सामाजिक बुद्धि

सामान्य शब्दों में बुद्धि हमारे सोचने, विचारने और समस्या समाधान की मानसिक क्षमता है।मानव अनेक

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August 2026**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

मानसिक प्रक्रियाओं को करने की क्षमता रखता है जो पशुओं में संभव नहीं है।इन मानसिक क्षमताओं के बल पर ही मानव स्वयं को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बताने में भी संकोच नहीं करता है।इन मानसिक प्रक्रियाओं के उचित संचालन हेतु बुद्धि की आवश्यकता होती है।

बुद्धि अनेक प्रकार की हो सकती है।इनमें से एक प्रकार सामाजिक बुद्धि है।सामाजिक बुद्धि,बुद्धि का वह प्रकार है जो समाज के अन्य व्यक्तियों से संचार,भावना विनिमय और परस्परिक सामाजिक संबंधों के निर्वाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।यह व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं के हल के लिए भी जरूरी है।

माध्यमिक विद्यार्थी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत विद्यार्थी माध्यमिक विद्यार्थी कहलाते हैं।

विज्ञान संकाय- जीव विज्ञान,रसायन विज्ञान,भौतिक विज्ञान और गणित विषयों के साथ अध्ययन करते हैं। कला संकाय-कला विषयों यानी हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र आदि में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी इस संकाय के अंतर्गत आते हैं।

वाणिज्य संकाय- वे विद्यार्थी जो लेखांकन,व्यावसायिक अध्ययन,व्यावसायिक सांख्यिकी आदि में शिक्षा प्राप्त करते हैं,इस संकाय में आते हैं।

पीलीभीत

पीलीभीत जिला रूहेलखण्ड मंडल में स्थित एक जिला है जो पड़ोसी देश नेपाल की सीमा पर स्थित है।यह जिला बांसुरी उत्पादन,चावल उत्पादन,चीनी उत्पादन और टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध है।पीलीभीत शहर उपरोक्त पीलीभीत जिले का मुख्यालय है।

प्रस्तावित अध्ययन का महत्व

पर्यावरणीय अभिवृत्ति व्यक्ति विशेष के पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में सोचने और उनके पर्यावरणीय व्यवहार को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।पीलीभीत पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध है लेकिन बदले हुए वैश्विक पर्यावरणीय हालातों में जल स्तर घटने जैसी पर्यावरणीय समस्याओं ने यहाँ पर भी दस्तक दे दी है।पीलीभीत टाइगर रिजर्व और दुधवा राष्ट्रीय उद्यान,पीलीभीत शहर से बहुत ज्यादा दूर नहीं हैं और पीलीभीत शहर में उपजी पर्यावरणीय समस्याओं से यह दोनों प्राकृतिक विरासतें भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकती है।आज के बच्चे कल के भविष्य हैं और इस बात से हम सभी वाकिफ हैं।प्रस्तुत अध्ययन यह जानने का प्रयास करेगा कि क्या माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति उनकी सामाजिक बुद्धि से प्रभावित होती है।अभी तक इस तरह का कोई भी अध्ययन नहीं किया गया है जिसमें पीलीभीत शहर में स्थित केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों के माध्यमिक विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धि और पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन किया

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

गया हो।पीलीभीत शहर की भावी पीढ़ी की सामाजिक बुद्धि और पर्यावरणीय अभिवृत्ति में संबंध जानने हेतु यह अध्ययन जरूरी है।

उद्देश्य

1.माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो में सामाजिक बुद्धि और पर्यावरणीय अभिवृत्ति में संबंधों का आकलन करना।

2.छात्र और छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में अंतर का आकलन करना।

3.कला और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में अंतर का आकलन करना।

4. शहरी और ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में अंतर का आकलन करना।

परिकल्पनाएँ

1.माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धि और पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक संबंध नहीं है।

2.छात्र और छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

3.कला और विज्ञान संकायों के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

4. ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमियों के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर

नहीं है।

अध्ययन का क्षेत्र और सीमितता

प्रस्तावित अध्ययन का क्षेत्र और सीमितता इस तरह है -

1.प्रस्तावित अध्ययन में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,दिल्ली(सीबीएसई) से संबद्ध अँग्रेजी माध्यम निजी माध्यमिक विद्यालय ही शामिल किए गए।

2.प्रस्तावित अध्ययन का क्षेत्र मात्र पीलीभीत शहर के उपरोक्त शिक्षा बोर्ड से संबद्ध निजी अँग्रेजी माध्यम,माध्यमिक विद्यालय ही शामिल किए गए।

3.प्रस्तावित अध्ययन में नमूने के रूप में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत केवल कक्षा 11 के कुल 120 विद्यार्थी ही लिए गए।

5.वाणिज्य एवं कला संकाय के विद्यार्थियों को अध्ययन की सुविधा के लिए संयुक्त रूप से कला संकाय के अंतर्गत रखा गया।

4.प्रस्तावित अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाएगा।

शोध विधि एवं आंकड़ों का संग्रह

प्रस्तावित अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि प्रयोग की गयी।

शोध अभिकल्प- प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक शोध अभिकल्प का प्रयोग किया गया।

जनसंख्या

प्रस्तावित अध्ययन हेतु जनसंख्या के रूप में पीलीभीत शहर के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा

बोर्ड,दिल्ली(सीबीएसई) से संबद्ध अँग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11 के सभी विद्यार्थी हैं।

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

न्यादर्शन विधि-स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शन विधि का प्रयोग करके न्यादर्श संग्रहित किए गए।

प्रतिदर्श का आकार

कुल नमूने के रूप में 120 विद्यार्थी लिए गए।कुल 120 विद्यार्थियों में से 60 छात्र और 60 छात्राएँ ली गईं।कुल विद्यार्थियों में से 60 शहरी क्षेत्र और 60 ग्रामीण क्षेत्रों से लिए गए।कुल विद्यार्थियों में से 30 कला संकाय,60 विज्ञान संकाय और 30 वाणिज्य संकाय से लिए गए।

परीक्षण/उपकरण

डॉ. हसीन ताज के पर्यावरणीय अभिवृत्ति पैमाने का उपयोग किया गया।इसमें पर्यावरण के छह क्षेत्रों को मिलाकर 61 पद हैं -1.जनसंख्या विस्फोट 2. स्वास्थ्य और सफ़ाई 3. प्रदूषक 4. वन्य जीवन 5. वन 6. पर्यावरणीय चिंता

यह पैमाने14 से 50 वर्ष की आयु के बीच के पुरुषों और महिलाओं पर प्रयोग के लिए है।किसी व्यक्ति का पर्यावरणीय अभिवृत्ति प्राप्तांक उपरोक्त सभी छह क्षेत्रों में आइटम स्कोर का कुल योग है।

पर्यावरणीय अभिवृत्ति प्राप्तांक की सीमा 61 से 244 तक है, जिसमें उच्च प्राप्तांक पर्यावरण के प्रति अधिक अनुकूल अभिवृत्ति और निम्न प्राप्तांक पर्यावरण के प्रति अधिक प्रतिकूल अभिवृत्ति को दर्शाता है।इसकी वैधता 0.60,वैधता सूचकांक 0.77 है।

2. बिंदु जोसेफ और प्रेम प्रभा सिंह का सामाजिक बुद्धि स्केल प्रयोग किया गया।यह स्केल माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र (14 बर्ष और ऊपर की आयु के लिए) के लिए प्रशासित किया जा सकता है।अधिकतम प्राप्तांक 300 और न्यूनतम प्राप्तांक 60 प्राप्त किए जा सकते हैं।यह पैमाना विश्वसनीय और वैध है।इस पैमाने में 60 आइटम शामिल हैं जो सात क्षेत्रों में विभाजित हैं-1.प्रभावी संचार, 2.सामाजिक पर्यावरण की पहचान 3.आत्म जागरूकता 4.भावनाओं का प्रबंधन, 5.फोस्टर लीडरशिप 6.सहानुभूतिपूर्ण चिंता 7.आत्मविश्वास

डेटा विश्लेषण तकनीक

पियरसन सहसंबंध गुणांक,टी परीक्षण, मानक विचलन, मध्यमान

आंकड़े विश्लेषण

परिकल्पना 1.माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति और सामाजिक बुद्धि में सार्थक संबंध नहीं है।

पर्यावरणीय अभिवृत्ति	सामाजिक बुद्धि	सहसंबंध गुणांक
मध्यमान	223.075	284.66 0.63

परिकल्पना 2.माध्यमिक स्तर के छात्रों और छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

मध्यमान	मानक विचलन	t
छात्र (N=60)	222.6667	6.45
छात्राएँ (N=60)	223.4833	7.44 0.642

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

परिकल्पना 3.माध्यमिक स्तर के कला और विज्ञान के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

	मध्यमान	मानक विचलन	t
कला संकाय	222.76	6.79	
विज्ञान संकाय	223.38	7.14	0.475

परिकल्पना 4.माध्यमिक स्तर के ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

	मध्यमान	मानक विचलन	t
ग्रामीण पृष्ठभूमि	222.08	7.94	
शहरी पृष्ठभूमि	225.72	6.43	2.76

परिणाम और व्याख्या

परिकल्पना 1.माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति और सामाजिक बुद्धि में सार्थक संबंध नहीं है।

हमारे सहसंबंध गुणांक का मान 0.63 है जो माध्यम से उच्च स्तर का सह संबंध दिखाता है।यहाँ पर्यावरणीय अभिवृत्ति और सामाजिक बुद्धि में सार्थक संबंधहै।अतः हमारी शून्य परिकल्पना अस्वीकार होती है और यह सिद्ध होता है कि पर्यावरणीय अभिवृत्ति और सामाजिक बुद्धि में सकारात्मक सहसंबंध है।

परिकल्पना 2.माध्यमिक स्तर के छात्रों और छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

df 118 पर .05 स्तर पर सार्थकता का क्रांतिक t-मूल्य लगभग 1.98 है।इस अध्ययन से प्राप्त t मूल्य बहुत कम है अतः दोनों समूहों के माध्यों के बीच सार्थक अंतर नहीं पाया गया।इस तरह हमारी शून्य परिकल्पना सत्यापित हुई कि माध्यमिक स्तर के छात्रों और छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

कुंभज,राजश्री(2022) के अध्ययन में भी उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।तारा नायर,एस(2014) के अध्ययन में भी माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।लेकिन गोकमेन,अहमत(2021) के अध्ययन में महिलाओं का पर्यावरणीय दृष्टिकोण पुरुषों के पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बेहतर पाया गया।थुलस्सी,राज एल (2022) के अध्ययन में भी कक्षा 11 की छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति छात्रों की तुलना में ज्यादा पायी गयी।इसका कारण पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर अन्य कारकों का प्रभाव हो सकता है।

परिकल्पना 3.माध्यमिक स्तर के कला और विज्ञान के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

df 118 पर .05 स्तर पर सार्थकता का क्रांतिक t-मूल्य लगभग 1.98 है।इस अध्ययन से प्राप्त t का मूल्य .475 है जो क्रांतिक मूल्य से बहुत कम है अतः कला एवं विज्ञान के विद्यार्थियों के दोनों समूहों के माध्यों के बीच सार्थक अंतर नहीं पाया गया।इस तरह हमारी शून्य

Received 07 August 2026; Accepted 26 August 2026. Available online: 30 August. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

परिकल्पना सत्यापित हुई कि माध्यमिक स्तर के कला और विज्ञान के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना 4.माध्यमिक स्तर के ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के बीच पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

0.01 सार्थकता स्तर के लिए क्रांतिक t मूल्य 2.617 है।इस अध्ययन से प्राप्त t का मूल्य 2.76 है जो क्रांतिक t मूल्य से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है और शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति से बेहतर प्रमाणित होती है।कुंभज,राजश्री(2022) के अध्ययन में भी शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियो की पर्यावरणीय अभिवृत्ति ग्रामीण उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति से बेहतर पायी गयी।तारा नायर,एस(2014) के अध्ययन में भी ग्रामीण पृष्ठभूमि के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति शहरी पृष्ठभूमि के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से बेहतर पायी गयी।जबकि मित्तल,सारिका (2022) ने अपने अध्ययन में पाया कि शहरी और ग्रामीण किशोरों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।इसका कारण पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर अन्य कारकों का प्रभाव हो सकता है।

निहितार्थ

यह पाया गया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,दिल्ली से संबद्ध निजी अँग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का स्तर उच्च है।उनकी सामाजिक बुद्धि का स्तर भी उच्च है।पीलीभीत जैसे प्राकृतिक संसाधनों से सम्पन्न शहरों के लिए यह एक संतोष की बात है कि भावी पीढ़ी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक है।

भविष्य की अनुशंसाएँ

अध्ययन की सीमितता के कारण कुछ संबन्धित पहलुओं पर अध्ययन संभव नहीं हो पाया।जबकि यह भी महत्वपूर्ण कारक हैं।भविष्य के अध्ययनों में यह शामिल किए जा सकते हैं-

1.पीलीभीत शहर के विद्यालयों में पर्यावरणीय शिक्षा का वर्तमान स्तर एवं इसके लिए उपलब्ध संसाधनों पर अध्ययन।

2.पर्यावरणीय शिक्षा का विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर प्रभाव का अध्ययन।

3.पर्यावरणीय शिक्षा का विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन।

4.विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का उनके वास्तविक पर्यावरणीय व्यवहार पर प्रभाव का अध्ययन।

5.पर्यावरणीय अभिवृत्ति विकसित करने में विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका का अध्ययन।

संदर्भ

Gifford, Robert and Sussman, Reuven. (2012) Environmental Attitudes. In: Clayton, S. (Ed.) The Oxford Book of Environmental and conservation Psychology. U.K.: Oxford University Press

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 08, August. 2026

Gokmen, Ahmet (2021). The effect of gender on environmental attitude: A meta-analysis study. Journal of Pedagogical Research Volume 5, Issue 1, 2021

Heyl ,Marianne et al. (2013). Environmental attitudes and behaviors of college students: a case study conducted at a Chilean University. Revista Latinoamericana de Psicología Volume 45

Jain,Deepa (2016). A study of environment related knowledge, attitude and environmental awareness of secondary level students. PhD thesis. Udaipur: Pacific Academy of Higher Education and Research

Lal,Raman Bihari( ).Shiksha ke manovaigyanik Aadhar.Merrut: R.Lal Book Depot

Mangal,S.K.(2019).Shiksha Manovigyan.Delhi: PHI Learning Private Limited

Prajapati, Sarita (2011) :A Study of environmental awareness in relation to environmental attitude among the students of professional courses of Varanasi city. Phd. thesis .Varanasi: Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith

Singh ,A.K. (2019) .Test, measurements and research methods in Behavioural Sciences.New Delhi: Bharti Bhawan (Publishers and Distributors)

Singh, Narendra & Gupta, Karnika. (2013). Environmental attitude and ecological behavior of Indian consumers. Social Responsibility Journal. 9. 4-18. 10.1108/17471111311307787

Sucu, M. yavuj et al.(2005).Behaviour and Attitudes of Students Towards Environmental Issues at Faculty of Agriculture, Turkey. Journal of Applied Sciences.5(7) 1224-1227,2005

https://frontiersin.org
https://linkspringer.com
https://npcindia.com
https://pilibhit.nic.in
https://researchgate.net
https://www.sciencedirect.com
https://shodhganga.inflibnet.ac.in

Received **07 August 2026**; Accepted **26 August 2026**. Available online: **30 August**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License